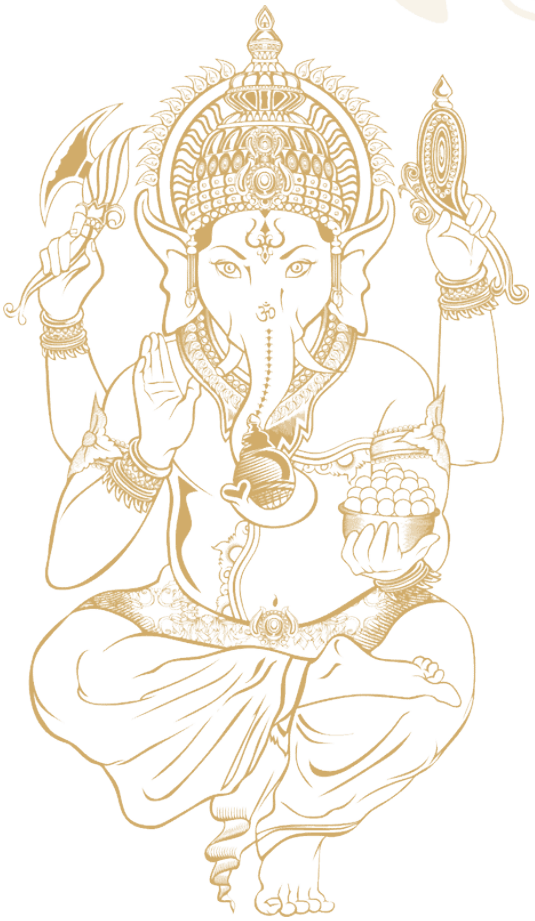

Mr.

18 Oct 1997

07:00 AM

Nabha

Model: web-freekundliweb

Order No: 120974002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18/10/1997**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**07:00:00 घंटे**
इष्ट	01:16:30 घटी
स्थान	**Nabha**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:22:00 उत्तर
रेखांश	76:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:34:48 घंटे
वेलान्तर	00:14:50 घंटे
साम्पातिक काल	08:21:08 घंटे
सूर्योदय	06:29:23 घंटे
सूर्यास्त	17:51:04 घंटे
दिनमान	11:21:40 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	00:53:02 तुला
लग्न के अंश	06:38:18 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सिद्धि
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	अ-अश्विनी
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	06:38:18	308:01:57	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			तुला	00:53:02	00:59:33	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			मेष	27:13:05	14:30:57	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	सूर्य	सम राशि
मंगल			वृश्चि	19:47:43	00:43:30	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	शुक्र	स्वराशि
बुध		अ	तुला	03:47:18	01:39:42	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			मक	18:25:43	00:01:57	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र			वृश्चि	16:53:56	01:05:22	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	सम राशि
शनि	व		मीन	22:27:50	00:04:39	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	सम राशि
राहु	व		सिंह	25:27:57	00:05:35	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	25:27:57	00:05:35	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मक	10:55:02	00:00:11	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
नेप			मक	03:22:40	00:00:18	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	10:08:34	00:01:56	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	09:09:58	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:29

लग्न-चलित

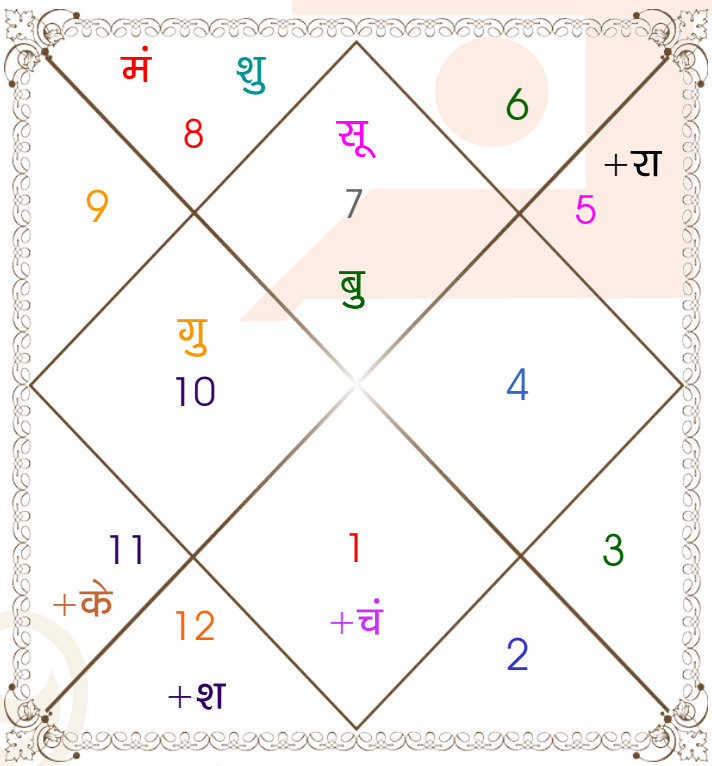

चन्द्र कुंडली

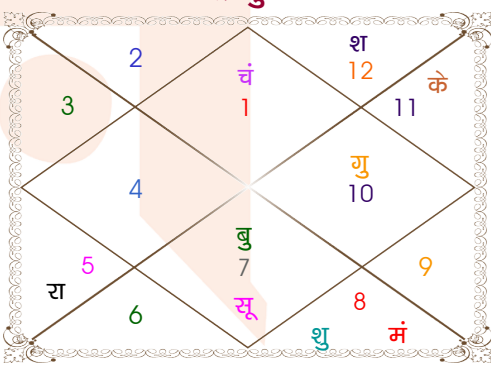

नवमांश कुंडली

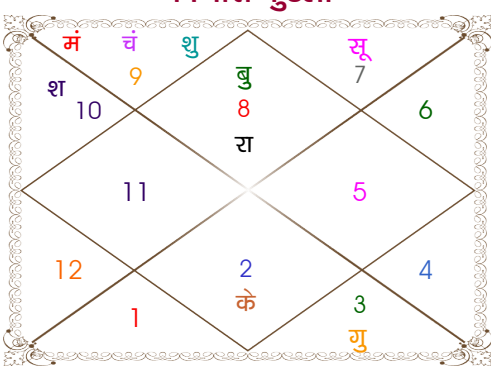

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 9 मास 0 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
18/10/1997		20/07/2003		19/07/2013		19/07/2020		19/07/2038	
20/07/2003		19/07/2013		19/07/2020		19/07/2038		19/07/2054	
सूर्य	06/11/1997	चंद्र	19/05/2004	मंगल	15/12/2013	राहु	01/04/2023	गुरु	06/09/2040
चंद्र	07/05/1998	मंगल	18/12/2004	राहु	03/01/2015	गुरु	25/08/2025	शनि	20/03/2043
मंगल	12/09/1998	राहु	19/06/2006	गुरु	10/12/2015	शनि	01/07/2028	बुध	25/06/2045
राहु	07/08/1999	गुरु	19/10/2007	शनि	18/01/2017	बुध	18/01/2031	केतु	01/06/2046
गुरु	25/05/2000	शनि	19/05/2009	बुध	15/01/2018	केतु	06/02/2032	शुक्र	30/01/2049
शनि	07/05/2001	बुध	19/10/2010	केतु	13/06/2018	शुक्र	05/02/2035	सूर्य	18/11/2049
बुध	14/03/2002	केतु	20/05/2011	शुक्र	13/08/2019	सूर्य	31/12/2035	चंद्र	20/03/2051
केतु	19/07/2002	शुक्र	18/01/2013	सूर्य	19/12/2019	चंद्र	01/07/2037	मंगल	24/02/2052
शुक्र	20/07/2003	सूर्य	19/07/2013	चंद्र	19/07/2020	मंगल	19/07/2038	राहु	19/07/2054

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
19/07/2054		19/07/2073		19/07/2090		19/07/2097		20/07/2117	
19/07/2073		19/07/2090		19/07/2097		20/07/2117		00/00/0000	
शनि	22/07/2057	बुध	16/12/2075	केतु	16/12/2090	शुक्र	19/11/2100	सूर्य	19/10/2117
बुध	31/03/2060	केतु	12/12/2076	शुक्र	15/02/2092	सूर्य	19/11/2101		00/00/0000
केतु	10/05/2061	शुक्र	13/10/2079	सूर्य	22/06/2092	चंद्र	21/07/2103		00/00/0000
शुक्र	10/07/2064	सूर्य	18/08/2080	चंद्र	21/01/2093	मंगल	19/09/2104		00/00/0000
सूर्य	22/06/2065	चंद्र	18/01/2082	मंगल	19/06/2093	राहु	20/09/2107		00/00/0000
चंद्र	21/01/2067	मंगल	15/01/2083	राहु	07/07/2094	गुरु	21/05/2110		00/00/0000
मंगल	01/03/2068	राहु	03/08/2085	गुरु	13/06/2095	शनि	20/07/2113		00/00/0000
राहु	06/01/2071	गुरु	09/11/2087	शनि	22/07/2096	बुध	20/05/2116		00/00/0000
गुरु	19/07/2073	शनि	19/07/2090	बुध	19/07/2097	केतु	20/07/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 9 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।